विदेशी पर्यटकों को रियायतें

*176. श्री शंकर दयाल सिंह: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना में पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने पर विशेष बल देने हेतु कोई विशेष योजना तैयार की है यदि हां, तो उसकी विस्तृत रूपरेखा क्या है;

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान वर्षवार कितने विदेशी पर्यटकों ने भारत की यात्रा की; और

(ग) क्या सरकार ने विदेशी पर्यटकों को अधिकाधिक यात्रा सुविधाएं प्रदान किए जाने के उद्देश्य से उन्हें कोई सुविधा अथवा रियायत दी है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद): (क) आठवीं योजना अवधि के दौरान पर्यटन विकास के लिए सरकार द्वारा बनाई गई मुख्य-मुख्य नीतियों/स्कीमों में निम्नलिखित शामिल हैं:–

(1) विशेष पर्यटन क्षेत्रों का विकास

(2) हिम और जल क्रीड़ाओं, साहसिक तथा वन्य जीवन पर्यटन आदि के लिए सुविधाओं का विकास करके भारत के पर्यटन उत्पाद में विविधता लाना।

(3) पर्यटन की आधारभूत सुविधाओं का पूर्णरूपेण सुधार।

(4) विदेशी बाजारों में प्रचार एवं संवर्धनात्मक प्रयासों का सुदृढ़ीकरण।

(5) विदेशों में नये स्रोत बाजारों का पता लगाना।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान, विदेशी पर्यटकों का आगमन, इस प्रकार था:–

वर्ष	पर्यटकों का आगमन
1991	16,77,508
1992	18,67,651
1993	17,64,830

(ग) पर्यटकों को प्रोत्साहन और सुविधाएं, विभिन्न सेवा प्रदाताओं, जैसे कि एयरलाइन्स, होटलों, यात्रा प्रचालकों आदि के द्वारा दी जाती है न कि सीधे सरकार द्वारा। सरकार की भूमिका मुख्य रूप से नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करना तथा पर्यटन के विकास को समन्वित करना और सुविधाजनक बनाना है।

ITDC Chief

'177. SHRI JALALUDIN ANSARI:
SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that three year extension for ITDC Chief has been recommended despite the two top enforcement agencies i.e., Central Bureau of Investigation (CBI) and t<he Central Vigilance Commission (CVC) recommending initiation of penalty proceedings against him on charges of corruption;

(b)) if so. ,he details and reasons therefor; and

(c) what is the final decision in the matter?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHU-LAM NABI AZAD): (a) to (e) The matter is under process.